प्रकट भई भानु लली सखी आज भजन लिरिक्स

प्रकट भई भानु लली सखी आज,
बिरज में है रही जय जयकार।

दोहा – भादो अष्टमी शुभ दिन आयो,
सभी रसिकन को मन हर्षायो,
प्रगट भई मोहन मन हरनी,
ब्रज मंडल में आनंद छायो।

प्रकट भई भानु लली सखी आज,
बिरज में है रही जय जयकार,
है रही जय जयकार,
बिरज में छाई खुशी अपार,
प्रगट भई भानु लली सखी आज,
बिरज में है रही जय जयकार।bd।

बरसाने चलो भानु द्वारे,
देन बधाई ब्रजवासी पधारे,
लागे रसिक समाज,
बिरज में है रही जय जयकार,
है रही जय जयकार,
बिरज में छाई खुशी अपार,
प्रगट भई भानु लली सखी आज,
बिरज में है रही जय जयकार।bd।

सब नाचे औरो को नचावे,
देख लली मुख बलि बलि जावे,
बाजे सबरे साज़,
बिरज में है रही जय जयकार,
है रही जय जयकार,
बिरज में छाई खुशी अपार,
प्रगट भई भानु लली सखी आज,
बिरज में है रही जय जयकार।bd।

बरसाने का मंगल नज़ारा,
मंगल हर पल मंगल सहारा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

पूरण भए सब काज,
बिरज में है रही जय जयकार,
है रही जय जयकार,
बिरज में छाई खुशी अपार,
प्रगट भई भानु लली सखी आज,
बिरज में है रही जय जयकार।bd।

'गोपाली' बन पागल बावरी,
बसन चली बरसाना गाँव री,
जहाँ रसिकन सिरताज,
बिरज में है रही जय जयकार,
है रही जय जयकार,
बिरज में छाई खुशी अपार,
प्रगट भई भानु लली सखी आज,
बिरज में है रही जय जयकार।bd।

प्रगट भई भानु लली सखी आज,
बिरज में है रही जय जयकार,
है रही जय जयकार,
बिरज में छाई खुशी अपार,
प्रगट भई भानु लली सखी आज,
बिरज में है रही जय जयकार।bd।

स्वर – श्री श्यामा दासी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com